



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 110]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1981/चैत्र 6, 1903

No 110]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1981/CHAITRA 6, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सफलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1981

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां०कां०सि० 213(अ) --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करन हुए, प्रस्तावित समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लाकहित में आवश्यक और समीचीन है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले और उस पर उद्यमहीन सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त माल को किसी वित्तीय वर्ष में की गई निकासियों के मूल्य के आधार पर उतने समय तक, जब तक उसे उक्त नियमों के नियम 8 के अधीन जारी की गई अधिसूचना के निबन्धनों के अनुसार या इस तथ्य के कारण कि उसका भारत के बाहर निर्यात किया जा रहा है, उस पर उद्यमहीन सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त रहती है, उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन से छूट देती है

परन्तु इस अधिसूचना में अवशिष्ट छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए लागू होगी अर्थात् ---

(i) किसी विनिर्दिता भाग या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से, यथास्थिति निर्यात या देशी उपभोग या दोनों के लिए निकासी किए गए, उक्त माल का सकलित मूल्य किसी वित्तीय वर्ष में पांच लाख रुपये में अधिक नहीं है, और

(ii) उक्त माल, कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खण्ड (ड) में परिभाषित कारखाना में निर्यात किसी कारखाने में विनिर्मित किया जाता है ?

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 का प्रदूषण होगी।

[अधिसूचना सं० 80/81 के०उ०शु०/

फा०सं० 213/5/81-के०उ०शु०-6]

डी० महता, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 1981

## CENTRAL EXCISES

G.O.R. 215(E).—In exercise of the powers conferred by rule 174-A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said Rules, the goods falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon on the basis of value of clearances made in a financial year so long as they remain exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon in terms of the notification issued under

rule 8 of the said Rules or on account of the fact that they are being exported out of India :

Provided that the exemption contained in this notification shall apply subject to the following conditions namely :—

- (i) the aggregate value of the said goods cleared by or on behalf of a manufacturer from one or more factories, for export or home consumption or both, as the case may be, does not exceed rupees five lakhs in a financial year, and
- (ii) the said goods are manufactured in a factory other than a factory defined in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[Notification No. 80/81-C.E. F. No. 213/5/81-CX. 6]

D. MEHTA, Under Secy.